सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

DGR Detective Group Report

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 358 | इंदौर, बुधवार 15 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता आज से लागू, 99% भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) आज से लागू हो गया है। इसे पिछले कुछ वर्षों में भारत के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौतों में से एक माना जा रहा है। सरकार का दावा है कि इससे किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को जबरदस्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है।

भारत-यूके सीईटीए केवल टैरिफ घटाने वाला समझौता नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, सेवाओं और रोजगार के नए अवसरों का व्यापक ढांचा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, यह भारत के व्यापारिक इतिहास का एक अहम पड़ाव है। इससे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं कम होंगी। भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों, उद्योगों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप तथा युवा पेशेवरों को नए अवसर मिलेंगे।

भारत को ये होंगे लाभ

इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क घटाया जाएगा। इससे कीमतों में कमी आएगी। पहली बार ब्रिटेन की कंपनियों को भारत सरकार की करीब 40 हजार उच्च मूल्य वाली निविदाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परिवहन, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कामकाज की गुणवत्ता में सुधार होगा।

गुजराती परिवार से मथुरा में बड़ी चोरी

शातिरों ने फ्लैट से 2 करोड़ 90 लाख रुपये किए पार, प्रॉपर्टी बेचकर आए थे वृंदावन

मथुरा, (एजेंसी) मथुरा की जैत थाना पुलिस ने गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश कर दिया है. पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 करोड़ रुपये कैश और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वेलरी बरामद की है. मथुरा के थाना जैत क्षेत्र में पुलिस ने चार महीने पुरानी एक बड़ी चोरी की वारदात का सफल खुलासा किया है. गुजरात के गांधीनगर निवासी राकेश प्रजापति अपने बेटे मानव प्रजापति के साथ वृंदावन में रहने आए थे. उन्होंने अपनी संपत्ति बेचकर मिली रकम को एक फ्लैट में रखा था. वहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई. आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा दिया और मौका पाकर उनके फ्लैट से 2 करोड़ 90 लाख रुपये पार कर दिए. पुलिस ने इस मामले में गहन छानबीन के बाद चार शातिर चोरों को दबोच लिया.

● सीएम मोहन यादव बोले-

'नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस'

अवैध कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों और गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे प्रदेश से नक्सलवाद खत्म हुआ है, अब सरकार नशा मुक्त मध्यप्रदेश बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करेगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को भोपाल के रवींद्र भवन में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अभियान की प्रचार सामग्री और किट का वितरण भी किया तथा लोगों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई। डॉ. यादव ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है, इसलिए नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ किसी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। पुलिस को ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

19 धार्मिक स्थलों पर नशे पर रोक लगाई

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के 19 धार्मिक स्थलों के आसपास शराब और अन्य नशे पर रोक लगाई गई है। साथ ही धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को भी नशा मुक्ति अभियान से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2029 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी दिशा में मध्य प्रदेश पुलिस स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, हेल्पलाइन और काउंसलिंग के जरिए युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रही है। नशे की लत से प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर भी काम किया जा रहा है।

सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम होंगे

विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 15 जुलाई से 30 जुलाई तक पूरे प्रदेश में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाया जाएगा। इसमें एनसीसी, एनएसएस, खेल संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और नागरिक समितियों की भागीदारी रहेगी। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सरकार का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को नशा मुक्त बनाने में जनभागीदारी बढ़ाना है।

खजुराहो एयरपोर्ट की बड़ी उड़ान

देश के सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट का मिला खिताब इस सर्वे में भोपाल तीसरे स्थान पर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छतरपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के खजुराहो हवाई अड्डे ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के वर्ष 2026 के राष्ट्रीय ग्राहक संतुष्टि सूचकांक में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, राजधानी भोपाल स्थित राजा भोज हवाई अड्डा तीसरे स्थान पर रहा। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा और सेवा गुणवत्ता के मामले में दोनों हवाई अड्डों का शीर्ष स्थानों पर पहुंचना मध्य प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। खजुराहो हवाई अड्डे के निदेशक संतोष सिंह ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध खजुराहो मंदिरों का भ्रमण करने आने वाले देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए बेहतर हवाई संपर्क और उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध होने से क्षेत्रीय पर्यटन को नई गति मिलेगी। संतोष सिंह ने इस सफलता का श्रेय पूरे एयरपोर्ट स्टाफ की कड़ी मेहनत, यात्रियों के विश्वास और बेहतर सेवाएं प्रदान करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट प्रबंधन का लक्ष्य भविष्य में भी यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और सेवा गुणवत्ता में लगातार सुधार करना है। बयान के अनुसार, एएआई की यह रैंकिंग देशभर के हवाई अड्डों पर यात्रियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर तैयार की गई है। इस सर्वेक्षण में चेक-इन प्रक्रिया, सुरक्षा जांच, टर्मिनल की स्वच्छता, कर्मचारियों का व्यवहार, प्रतीक्षा समय, खानपान सुविधाएं, सूचना प्रणाली तथा यात्रियों के समग्र अनुभव जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर हवाई अड्डों का मूल्यांकन किया गया।

जनसुनवाई बनी विश्वास का केंद्र

हर जरूरतमंद तक पहुंच रही प्रशासन की संवेदनशील पहल

कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बना रही है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में एक भावुक पल उस समय देखने को मिला, जब श्रीमती भावले अपनी तीन नातियों सुश्री सिद्धि भावले, तमन्ना भावले एवं हिमांशी भावले के साथ अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। उन्होंने कलेक्टर शिवम वर्मा को बताया कि बच्चियों के माता-पिता का स्वर्गवास हो चुका है, जिसके बाद उनके पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन पर आ गई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बच्चियों की स्कूल फीस जमा नहीं हो पा रही हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनकी बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को बच्चियों की स्कूल फीस माफ कराने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने एवं शासन की पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी निर्देशित किया। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से बच्चियों और उनकी नानी के चेहरे पर मुस्कान लौट आई तथा उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार दिव्यांग बालक मिहिर चौहान अपने पिता लखन चौहान के साथ जनसुनवाई में पहुंचे। लखन चौहान ने बताया कि उनके पुत्र को सुनने में परेशानी होती है और उसके कान में श्रवण यंत्र लगा हुआ है। श्रवण यंत्र की बैटरी समाप्त हो जाने के कारण उसे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण नई बैटरी खरीदने में असमर्थ है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बालक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल 18 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बालक के उपचार एवं आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया। एक अन्य प्रकरण में श्रीमती राखी दुबे अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में उन्हें वात्सल्य योजना के अंतर्गत सहायता राशि प्राप्त हुई थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से उनके बच्चों के खाते में योजना की राशि जमा नहीं हो रही है, जिससे परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी बड़ी बेटी कक्षा 11वीं में अध्ययनरत है, जबकि छोटा बेटा ऑटिज्म से पीड़ित है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल 24 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिंकेश वैश्य सहित सभी विभागीय अधिकारियों में नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 जुलाई को करेंगे जिला चिकित्सालय के नए 300 बिस्तरीय भवन का लोकार्पण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 जुलाई को जिला चिकित्सालय के नवनिर्मित 300 बिस्तरीय भवन का लोकार्पण करेंगे। लगभग 83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह चार मंजिला आधुनिक भवन जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगा। नवीन भवन के शुरू होने से मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा अस्पताल की उपचार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित इस भवन में विभिन्न विभागों के लिए पर्याप्त स्थान, मरीजों के लिए बेहतर वार्ड तथा आवश्यक स्वास्थ्य अधोसंरचना विकसित की गई है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी। जिला चिकित्सालय के इस नए भवन के लोकार्पण से इंदौर सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

नौकरी का झांसा, युवक से ऑनलाइन ठगी

इंदौर। नौकरी की तलाश कर रहे एक युवक को इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देख आवेदन करना महंगा पड़ गया। ठगों ने पहले रजिस्ट्रेशन के नाम पर पैसे लिए, फिर टेलीग्राम पर टास्क पूरा कराने के बहाने अलग-अलग क्यूआर कोड पर रकम जमा कराते रहे। मामला अन्नपूर्णा थाना पहुंचा, जहां पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अन्नपूर्णा थाना पुलिस के मुताबिक, सुदामा नगर निवासी राजीव चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह नई नौकरी की तलाश कर रहे थे। 8 जुलाई को इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देखकर आवेदन किया था। आवेदन के कुछ देर बाद उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें एक लिंक भेजकर टेलीग्राम पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया। रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपए शुल्क बताया गया और क्यूआर कोड भेजकर भुगतान कराया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को करेंगे इंदौर से आबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा का शुभारंभ

मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति से वित्त-पोषित प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा होगी शुरू

● वैश्विक हवाई संपर्क, व्यापार, निवेश और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 जुलाई, बुधवार को इंदौर में मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 से वित्त पोषित प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा इंदौर से आबू धाबी का शुभारंभ करेंगे। यह उड़ान प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी आबू धाबी से सीधे जोड़ेगी। टाटा समूह की विमानन इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित यह सेवा सप्ताह में चार दिन (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार) को उपलब्ध रहेगी।

इंदौर से आबू धाबी हवाई सेवा प्रारंभ होने से मालवा-निमाड़ क्षेत्र की बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। वर्तमान में इस मार्ग पर यात्रियों को दिल्ली अथवा मुंबई के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है, जिससे लगभग 7 से 8 घंटे का समय लगता है। नई उड़ान शुरू होने से यह यात्रा लगभग 3 घंटे 15 मिनट में पूरी हो सकेगी। इससे व्यापार, निवेश, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य सरकार नागरिक विमानन नीति-2025 के माध्यम से प्रदेश में हवाई संपर्क का निरंतर विस्तार कर रही है। नीति के अंतर्गत अब तक 8 नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 4 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं और शेष मार्गों पर भी शीघ्र सेवाएं शुरू की जाएंगी। इंदौर-आबू धाबी हवाई सेवा का शुभारंभ प्रदेश की विमानन नीति की प्रभावशीलता एवं एयरलाइंस के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।इससे भविष्य में नए अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू हवाई मार्गों के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

नागरिक विमानन नीति से सुदृढ़ हो रहा है प्रदेश का विमानन इकोसिस्टम

प्रदेश के विमानन इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लागू मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 में नवीन घरेलू हवाई मार्गों के विकास के लिए 10 लाख रुपये तक तथा अंतर्राष्ट्रीय मार्गों के लिए 15 लाख रुपये तक वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) सहायता का प्रावधान किया गया है। राज्य के हवाई अड्डों पर रात्रि पार्किंग करने वाले विमानों के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर वैट की प्रभावी दर 1 प्रतिशत निर्धारित की गई है। नीति के अंतर्गत मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजनाओं के लिए 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी तथा एयर कार्गो परियोजनाओं के लिए पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए सिमुलेटर स्थापित करने वाले उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) को 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी तथा गैर-सिम्युलेटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए फीस का 60 प्रतिशत, अधिकतम एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है।

नेहरू पार्क स्वीमिंग पूल में भरा दो लाख गैलन पानी

● 16 दिनों से बोरिंग के माध्यम से इसमें पानी भरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नेहरू पार्क स्विमिंग पूल का कायाकल्प अब लगभग पूरा हो चुका है और नगर निगम इसे शुरू करने की स्थिति में है। अगस्त माह तक इसे फिर से तैराकी सीखने वालों के लिए खोल दिया जाएगा। पूल का डाइविंग टावर बनकर तैयार हो चुका है और पिछले 16 दिनों से बोरिंग के माध्यम से इसमें पानी भरा जा रहा है।

करीब 40 साल पुराने नगर निगम के इस स्विमिंग पूल ने देश को राष्ट्रीय स्तर के कई खिलाड़ी दिए हैं। पिछले तीन वर्षों से निर्माण कार्य के कारण यह पूल बंद पड़ा था, जिससे तैराकी करने वाले लोगों को निराश होना पड़ रहा था। लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए जा रहे इस पूल के निर्माण में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। साथ ही डाइविंग टावर और फिल्ट्रेशन प्लांट को भी अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा परिसर में नई लाइब्रेरी और जिम जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं3, जिससे यह केवल एक स्विमिंग पूल नहीं, बल्कि एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में नजर आएगा।

स्विमिंग पूल में पानी भरने का काम पिछले माह शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। पिछले 16 दिनों में इसमें दो लाख गैलन पानी भरा जा चुका है। अगले तीन-चार दिनों में फिल्ट्रेशन प्लांट भी शुरू कर दिया जाएगा, जिससे पानी को पूरी तरह साफ किया जाएगा। पूल की गहराई को सुरक्षा के लिहाज से अलग-अलग हिस्सों में विभाजित किया गया है। बच्चों और तैराकी सीखने वालों के लिए कम गहराई वाला हिस्सा तथा पेशेवर तैराकों के लिए अधिक गहराई वाला हिस्सा बनाया गया है। पूल की अधिकतम गहराई 20 फीट से अधिक है।पहले की तरह रियायती दरों पर सदस्यता उपलब्ध कराई जाएगी। महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से विशेष बैच भी संचालित किए जाएंगे। महापौर परिषद सदस्य नंदू पहाड़िया ने बताया कि पूल के निर्माण में काफी समय लग गया है। अब इसे जल्द ही आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे स्टूडेंट, सिर मुंडवाए

● नीट पेपर लीक सहित 23 सूत्रीय मांगें पूरी करने पर अड़े

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नीट पेपर लीक सहित 23 सूत्रीय मांगों को लेकर इंदौर के टंट्याभील चौराहे पर पिछले 14 दिन से प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट अब बड़े आंदोलन के मूड में आ चुके हैं। स्टूडेंट रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और गेट के सामने सड़क पर बैठ गए। दो घंटे से जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रशासन की तरफ से कोई सुनवाई न होने से नाराज स्टूडेंट ने सिर मुंडवाना शुरू कर दिया है। वे नीट पेपर लीक में दोषियों पर कार्रवाई सहित 23 मांगें पूरी करने पर अड़े हैं। रैली और प्रदर्शन में कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक भी शामिल हुए हैं।

टंट्याभील चौराहे पर चल रहे स्टूडेंट्स के धरना प्रदर्शन को कॉकरोच जनता पार्टी का भी समर्थन मिल चुका है। अब स्टूडेंट्स द्वारा इस प्रदर्शन का बड़ा रूप दिया जा रहा है और महाआंदोलन के रूप में मंगलवार को प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स से पार्टी से प्रमुख अभिजीत दीपके ने वीडियो कॉल से बात की थी और स्टूडेंट्स के हालचाल भी जाने थे।

15 टन चने की हेराफेरी ड्राइवर पर केस दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। ट्रक से लाए जा रहे चने की खेप में हेराफेरी का मामला सामने आया है। व्यापारी की शिकायत पर सोमवार को भंवरकुआ पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि 29 टन चने में से करीब 15 टन चना रास्ते में गायब कर दिया गया। वजन बराबर दिखाने के लिए ट्रक में पत्थर और पानी की केन रख दी गई। भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक पालदा स्थित एग्रो एलएलपी दाल मिल के संचालक राजुल सारडा ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शहर के व्यापारियों के

ऑर्डर पर हरदा मंडी से पंजाब ट्रांसपोर्ट के माध्यम से 29 टन चना मंगाया था। 9 जुलाई को ट्रक इंदौर पहुंचा। फर्म के कर्मचारी धीरज जैन ने ट्रक की जांच की तो माल कम मिला। ट्रक के अंदर चने की जगह पत्थर और पानी की केन रखी हुई थीं। इसकी जानकारी तुरंत व्यापारी को दी गई। इसके बाद दूसरे कर्मचारी बालू को मौके पर भेजकर दोबारा वजन कराया गया। जांच में सामने आया कि 29 टन चने में से करीब 15 टन चना गायब था। आरोप है कि रास्ते में चना निकाल लिया गया और वजन संतुलित रखने के लिए ट्रक में पत्थर और पानी की केन भर दी गई। शिकायत के आधार पर भंवरकुआ पुलिस ने ट्रक ड्राइवर समीर खान निवासी देवास और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता से कोर्ट परिसर में अभद्रता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिला न्यायालय परिसर में एक अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता के साथ अभद्रता और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। एमजी रोड थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार योगेश जायसवाल जिला न्यायालय में अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। उनकी शिकायत पर केशव नगर धार रोड निवासी शाहरुख खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में योगेश जायसवाल ने बताया कि वह जिला न्यायालय के कोर्ट रूम नंबर-30 में एक मामले में शासन की ओर से पैरवी करने के बाद बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान आरोपी शाहरुख खान ने उन्हें रोक लिया और अपशब्द कहने लगा। उन्होंने आरोपी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह आक्रामक हो गया। शिकायत के अनुसार बातचीत के दौरान आरोपी ने अपनी शर्ट के नीचे हाथ डाला, जिससे अधिवक्ता को उसके पास हथियार होने का संदेह हुआ। इस पर वह उससे दूर हट गए। आरोप है कि शाहरुख ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि उन्होंने उसके रिश्तेदार की जमानत का विरोध किया है और इसका अंजाम देख लेंगे। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता ने एमजी रोड थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, धमकी और अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनम रघुवंशी की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड केस में सुप्रीम कोर्ट में आज होने वाली सुनवाई टल गई है। अब अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। यह सुनवाई राजा हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार की याचिका पर होनी है।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने मेघालय सरकार से सोनम को गिरफ्तारी के समय दिए गए 'ग्राउंड्स ऑफ अरेस्ट' (गिरफ्तारी के आधार) की प्रति पेश करने को कहा है। दरअसल, ट्रायल कोर्ट ने सोनम को इस आधार पर जमानत दी थी कि गिरफ्तारी के समय उसे कानून के अनुसार गिरफ्तारी के आधार उपलब्ध नहीं कराए गए थे। बाद में मेघालय हाईकोर्ट ने भी इस आदेश को बरकरार रखा। मेघालय सरकार का कहना है कि सोनम को गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे। विवाद केवल एक टाइपिंग की गलती का है। दस्तावेज में हत्या से संबंधित भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) की जगह गलती से धारा 403(1) लिख दिया गया था, जबकि BNS में ऐसी कोई धारा मौजूद ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट अब अगली सुनवाई में विस्तार से यह जांच करेगा कि कानून के मुताबिक सोनम को गिरफ्तारी के आधार उपलब्ध कराए गए थे या नहीं।

राजा के भाई ने कहा- जब से सोनम जेल से बाहर आई, तब से लड़कियां पति का मर्डर कर रहीं

इंदौर। इंदौर में रहने वाले ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी का कहना है कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से पूरी उम्मीद है। उनका विश्वास है कि 21 जुलाई को होने वाली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द कर देगा। विपिन रघुवंशी ने कहा कि जब से सोनम रघुवंशी जमानत पर बाहर आई है, उसके बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में पत्नियों द्वारा अपने पतियों की हत्या की कई घटनाएं सामने आई हैं। उनका कहना है कि यह केवल हत्या नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच विश्वास की भी हत्या है। विपिन ने कहा कि शादी के बाद पति-पत्नी एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं, लेकिन सोनम ने जिस तरह अपने पति की हत्या की, उसने उस विश्वास को तोड़ दिया। उनका यह भी कहना है कि इसके बाद कई अन्य महिलाओं द्वारा भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। यदि सोनम को कड़ी सजा नहीं मिली, तो आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं जारी रह सकती हैं। विपिन रघुवंशी ने सोनम रघुवंशी के वकील से भी माफी मांगी है। गौरतलब है कि इससे पहले विपिन रघुवंशी ने आरोप लगाया था कि सोनम को नेपाल भागने में उसके वकील का भी हाथ था। अब उन्होंने अपने उस बयान पर खेद जताते हुए वकील से माफी मांगी और कहा कि उन्हें छोटा भाई समझकर माफ कर दें। फिलहाल, राजा रघुवंशी के परिजनों को अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है।

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
★ NewsPaper ★ NewsPortal ★ NewsChannel
www.dgr.co.in
www.detectivegroupreport.com
DGR Detective Group Report
YouTube Detective Group Report SUBSCRIBE
समाचार, विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें :- 9111156060
dgrnewsnetwork@gmail.com

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

प्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपए की स्वीकृति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

राज्य सरकार ने शहरों के कायाकल्प के लिए नगरीय अधोसंरचना विकास मद में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसके साथ ही कैबिनेट ने किसानों के हित में मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रुपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कुण्डलिया परियोजना को निरंतर रखने जैसे कई दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगायी है। मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ में जल संसाधन विभाग की कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। राजगढ़ जिले में निर्मित यह एक वृहद सिंचाई परियोजना है।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य बांध निर्माण कर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से राजगढ़ और आगर-मालवा जिले के 1,39,600 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है। मंत्रि-परिषद ने रबी वर्ष 2023-24 विपणन वर्ष 2024-25 में भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अन्तर्गत लक्ष्य से अधिक उपार्जित मूंग के लिए 1,587 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार पंजाब नेशनल बैंक से ली गई साख सीमा में 19 जुलाई 2026 से 18 जनवरी 2027 तक 6 माह की अवधि के लिए शेष राशि 396 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति और भारतीय स्टेट बैंक से ली गई साख सीमा में 3 जुलाई 2026 से 2 जुलाई 2027 तक 1 वर्ष की अवधि के लिए शेष राशि 1,191 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराई जायेगी।

मंत्रि-परिषद ने टेक-होम राशन के उत्पादन एवं प्रदाय की व्यवस्था मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम से वापस लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को तत्काल हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया गया है। तत्कालिक रूप से अन्तरिम व्यवस्था के रूप में स्व सहायता समूह से पूरक पोषण आहार प्रदाय के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। अन्तरिम व्यवस्था तत्काल प्रारंभ किए जाने के साथ ही भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने एवं नवीन निर्देश अनुसार व्यवस्था स्थापित होने तक के लिए टेक होम राशन की व्यवस्था, अल्प कालीन निविदा के माध्यम से किए जाने के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने के बाद विभाग स्थायी व्यवस्था स्थापित करेगा।

दिनदहाड़े स्कूल से चार साल के मासूम बच्चे का अपहरण

छुट्टी के बाद स्कूटी सवार दो युवक उठाकर ले गए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मुरैना, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुरैना में मंगलवार को दिनदहाड़े एक निजी स्कूल से चार साल के मासूम बच्चे के अपहरण की वारदात सामने आई है। स्कूल की छुट्टी होते ही स्कूटी पर सवार दो युवक बच्चे को गोद में उठाकर अपने साथ ले गए। पूरी घटना स्कूल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने जिलेभर में नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की गायत्री कॉलोनी, गोपालपुरा स्थित रेन बो स्कूल की है। अपहृत बच्चे की पहचान कार्तिकय राजपूत (4) के रूप में हुई है, जो प्ले ग्रुप का छात्र है।

जानकारी के अनुसार, कार्तिकेय अपनी मां ईशू यादव के साथ अपने ननिहाल में रहता है। बताया जा रहा है कि उसके माता-पिता अलग-अलग रहते हैं। मंगलवार को रोज की तरह बच्चा स्कूल गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्कूल की छुट्टी से कुछ समय पहले स्कूटी पर सवार दो युवक स्कूल के बाहर पहुंचे और छुट्टी होते ही उनमें से एक युवक बच्चे को गोद में उठाकर स्कूटी तक ले गया। इसके बाद दोनों आरोपी मासूम को लेकर मौके से फरार हो गए।

स्कूल प्रबंधन और बच्चे के परिजनों में हड़कंप- घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और बच्चे के परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।पुलिस स्कूल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जिले की सीमाओं पर नाकेबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश भी दे रही हैं।

उज्जैन में छात्र पर शिक्षक से मारपीट का आरोप

महिला शिक्षिकाओं से अभद्रता, शिक्षकों ने निष्पक्ष जांच की मांग की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के माधवनगर स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक छात्र पर शिक्षक से मारपीट और महिला शिक्षिकाओं से अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगा है। घटना के बाद विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। जिला शिक्षा अधिकारी ने नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शिक्षकों के अनुसार, यह घटना 11 जुलाई 2026 को हुई थी। विद्यालय में अध्ययनरत छात्र सांवरिया शिवेश चौधरी का एक शिक्षक से विवाद हो गया, जो बाद में हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि छात्र ने इसके बाद कुछ बाहरी युवकों को विद्यालय परिसर में बुलाया।

शिक्षकों का कहना है कि इन बाहरी लोगों की मौजूदगी से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ और कक्षाओं में पढ़ाई बाधित हुई। साथ ही, विरोध करने पर कुछ महिला शिक्षिकाओं के साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने की शिकायत की गई है।

ज्ञापन में शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय में लगभग 2,000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 1,022 छात्राएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यालय में 48 महिला शिक्षिकाएं भी कार्यरत हैं। ऐसे में विद्यालय परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश से सुरक्षा और अनुशासन को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।

शिक्षकों ने यह भी बताया कि 11 जुलाई की घटना के बाद सोमवार को भी विद्यालय परिसर के अंदर और बाहर कुछ बाहरी लोगों की मौजूदगी देखी गई, जिससे विद्यार्थियों और स्टाफ में असहजता का माहौल बना रहा। उन्होंने मांग की है कि विद्यालय परिसर में केवल विद्यार्थियों, शिक्षकों और आवश्यक होने पर अभिभावकों को ही प्रवेश दिया जाए तथा बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए।

जेलों की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए महानिदेशक डॉ. कपूर ने किया जेल का आकस्मिक निरीक्षण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश की जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, मध्यप्रदेश डॉ. वरुण कपूर द्वारा 13 जुलाई 2026 को देवास जिले की सब जेल सोनकच्छ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. कपूर ने जेल की पाकशाला, गोदाम, बैरकों सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा सुरक्षा, स्वच्छता एवं बंदियों के रखरखाव से संबंधित व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने जेल प्रशासन को आवश्यक मरम्मत एवं आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन के लिये प्रस्ताव शीघ्र जेल मुख्यालय भेजने के निर्देश भी दिए। महानिदेशक डॉ. कपूर ने निरीक्षण में केवल बंदियों की समस्याओं का ही नहीं, बल्कि जेल कर्मचारियों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं का भी गंभीरता से संज्ञान लिया।

उन्होंने कर्मचारियों के लिए नवीन आवासों का शीघ्र निर्माण कराए जाने तथा आवश्यकतानुसार बजट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही जेल परिसर में आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ संपादित करने पर बल दिया। निरीक्षण में जिला जेल देवास के जेल अधीक्षक श्री विद्याभूषण प्रसाद, सब जेल सोनकच्छ के सहायक जेल अधीक्षक श्री बुद्धिविलास आरख सहित समस्त जेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत जेल परिसर में वृक्षारोपण भी किया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संदेश दिया।

संपादकीय

पर्यटन का दम या मजबूरी: भारतीय पर्यटकों के आगे क्यों झुका थाईलैंड?

क्या आपको पता है कि भारत से थाईलैंड जाने वाले यात्रियों को वीजा लेने की जरूरत नहीं होती। भारतीय टूरिस्ट पूरे 30 दिनों तक थाइलैंड में बिना वीजा के रह सकते हैं। हालांकि, थाईलैंड ने दो महीने पहले (20 मई 2026) भारतीयों को दी जाने वाली इस सुविधा को खत्म करने के बारे में सोचना शुरू कर दिया था। इस बात की जानकारी भारतीय पर्यटकों को भी लग गई और भारत से थाईलैंड जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट हो गई। दो महीने के अंदर ही थाईलैंड घुटनों पर आ गया। बैंकॉक को डर सताने लगा कि कहीं वे लोग भारत से थाईलैंड आने वाले यात्रियों को खो न दें। चीन और मलेशिया के बाद थाईलैंड पहुंचने वालों में भारतीयों की संख्या तीसरे नंबर पर है। बता दें कि पहले थाईलैंड 93 देशों को वीजा फ्री एंट्री देता था, जिसे घटाकर 54 कर दिया गया। थाईलैंड ने भारतीय यात्रियों के लिए वीजा फ्री एंट्री को जारी रखा है, लेकिन इसमें कुछ बदलाव जरूर कर दिए। जैसे पहले भारत का कोई भी यात्री पूरे 60 दिनों तक बीना वीजा के थाईलैंड में रह सकता था। इसे घटाकर अब 30 दिन कर दिया गया है। थाईलैंड सरकार का मानना है कि इंडिया से आने वाले ज्यादातर टूरिस्ट 30 दिन के अंदर ही अपने देश लौट जाते हैं। भारत से आने वाले टूरिज्म मार्केट के सामने थाईलैंड को झुकना जरूर पड़ा, लेकिन सवाल यही है कि आखिर बैंकॉक को ये फैसला लेना ही क्यों पड़ा तो आइए हम आपको बताते हैं कि थाइलैंड ने भारतीय यात्रियों का वीजा फ्री ट्रैवल बंद करने पर विचार क्यों किया? थाईलैंड में लंबे समय से ऐसी शिकायत आ रही हैं कि लोग फ्री वीजा या वीजा ऑन अराइवल लेकर थाईलैंड जाते हैं, लेकिन वहां से लौटकर कभी नहीं आते। ये लोग अवैध तरीके से थाईलैंड में ही रुक जाते हैं और बिना वर्क परमिट के वहां मजदूरी या दूसरा बिजनेस करने लगते हैं। फर्जीवाड़े का आलम यह है कि थाईलैंड में बेहतरीन नौकरी का लालच देते हुए कई फर्जी विज्ञापन निकाले जाते हैं। इनके झांसे में आकर कई भारतीय थाईलैंड पहुंच जाते हैं। यहां उन्हें गैर कानूनी तरीके से म्यांमार की बॉर्डर तक ले जाया जाता है और फिर म्यांमार पहुंचा दिया जाता है। म्यांमार में कुख्यात 'स्कैम सेंटर्स' हैं, जो इन लोगों को कैद करके इनसे साइबर क्राइम करवाते हैं। अब तक कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर भारतीय नागरिकों के साथ ऑनलाइन फ्रॉड किया गया है। इसमें लोगों को लोन का लालच दिया जाता है और फिर उन्हें ऐप रैकेट के झांसे में फंसा लिया जाता है। ऐसे कई लोगों को फाइनेंसर नेटवर्क चलाते हुए पकड़ा जा चुका है।

ज्ञान-विज्ञान

सेकेंडरी-आयन मास स्पेक्ट्रोमेट्री के जरिए जापानी वैज्ञानिकों ने उच्च-ग्रेड वाले अदृश्य सोने के गुप्त भंडार का पता लगाया है। रिसर्च बताती है कि पानी के नीचे मौजूद क्रेटर में सोने की मात्रा अब तक दर्ज सबसे ज्यादा है।

जापान होगा मालामाल!

समुद्र की तलहटी में रिकॉर्ड तादाद में 'अदृश्य' सोने की खोज, बन सकती है अंडरवॉटर गोल्ड माइन

जापान के हाथ सोने का एक बड़ा भंडार लग सकता है। रिसर्चर्स ने जापान के दक्षिण-पूर्वी तट के पास समुद्र के नीचे मौजूद ज्वालामुखी क्रेटर पर ब्लैक स्मोकर चिमनी और हाइड्रोथर्मल टीले (माउंड) खोजे हैं, जो बड़ी मात्रा में सोना बना रहे हैं। ये हाइड्रोथर्मल वेंट ना केवल सोने के छोटे कण छोड़ रहे हैं बल्कि अदृश्य सोना भी बना रहे हैं, जिसे नंगी आंखों या सामान्य माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता है। यह सोना समुद्र तल पर मौजूद पदार्थों के अंदर छिपा होता है। एक्सपर्ट इसे कमर्शियल अंडरवॉटर सोने की खदान बनाने के लिए एक बेहतरीन जगह मान रहे हैं। वैज्ञानिकों औक खोजकर्ताओं ने बताया है कि पानी के नीचे मौजूद इस क्रेटर में छिपे सोने की मात्रा दुनियाभर में अब तक दर्ज की गई सबसे ज्यादा तादाद है। यह खोज एक रिपोर्ट में तब प्रकाशित हुई, जब वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने बताया कि समुद्र तल पर सक्रिय टीलों को कमर्शियल माइनिंग (व्यावसायिक खनन) से बचाने की जरूरत है।

2015 में हुई थी अहम खोज

हिगाशी-आओगाशिमा वेंट की खोज 2015 में जापान के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में की गई थी। हालांकि आज तक यह पता नहीं चल पाया है कि इन हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों में कितने समुद्री जीव रहते हैं। जापान में शिजुओका यूनिवर्सिटी, वासेडा यूनिवर्सिटी और टोक्यो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने मिलकर टोक्यो से 350 किलोमीटर (217 मील) दक्षिण में स्थित हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों से चट्टानों के नमूनों का विश्लेषण किया। सेकेंडरी-आयन मास स्पेक्ट्रोमेट्री (SIMS) का इस्तेमाल करके उच्च-ग्रेड वाले अदृश्य सोने के भंडार का पता लगाया गया है। यह सोने की कम मात्रा का पता लगाने का संवेदनशील तरीका है। सोने के छोटे नैनोकण पाइराइट के अंदर फंसे होते हैं। पाइराइट सल्फाइड मिनरल है, जो तब बनता है जब समुद्र तल से गर्म, धातु-युक्त तरल पदार्थ निकलते हैं। चमकदार बनावट के कारण पाइराइट को फूल्स गोल्ड कहा जाता है।

दो रूप में होता है सोना

जापान के एक्सपर्ट की स्टडी में पाया गया कि असली सोना पाइराइट के अंदर दो रूपों में मौजूद होता है। एक- सूक्ष्म नैनोकणों के रूप में और दूसरा- मिनरल के क्रिस्टल स्ट्रक्चर में समाए हुए अलग-अलग सोने के परमाणुओं के रूप में। हिगाशी-आओगाशिमा काल्डेरा में ये दोनों रूप पाए गए हैं। रिसर्चर्स के अनुसार, पानी के नीचे मौजूद क्रेटर में पाए जाने वाले पाइराइट में सोने की मात्रा अब तक दर्ज सबसे ज्यादा है। जापान में संसाधन विकास के लिए अन्य हाइड्रोथर्मल वेंट क्षेत्रों की तुलना में यह जगह अपेक्षाकृत कम गहरी है। इससे यह भविष्य में माइनिंग के लिए एक अच्छी जगह बन जाती है। समुद्र तल पर फिलहाल कोई कमर्शियल सोने की खदान नहीं है लेकिन हिगाशी-आओगाशिमा काल्डेरा तक आसान पहुंच और सोने की मात्रा ने इसे भविष्य का मजबूत दावेदार बना दिया है। वैज्ञानिक समुद्र तल के मिनरल्स से अदृश्य सोने को निकालने के लिए किफायती तरीके पर काम कर रहे हैं।

Uttarpradesh

चंपत राय की नाकामी पर मुहर, भर्ती प्रक्रिया-नियमों में दी थी ढील, आज सौंपी जा सकती है SIT रिपोर्ट

लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की विस्तृत जांच रिपोर्ट में ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की लापरवाही व निगरानी में नाकामी की पुष्टि हुई है। हालांकि एसआईटी ने स्पष्ट रूप से उनके नाम का जिक्र किए बिना उनकी तरफ इशारा किया है। आपराधिक साजिश में उनकी भूमिका का स्पष्ट जिक्र नहीं है। एसआईटी ने चढ़ावा चोरी के पीछे भर्ती प्रक्रिया और एसओपी के नियमों को बदलकर उन्हें शिथिल करना बड़ी वजह माना है। इसमें अनिल मिश्रा को सबसे अधिक जिम्मेदार ठहराया गया है।

एसआईटी को विस्तृत जांच के लिए 15 जुलाई का समय दिया गया था, जिसकी मियाद अब पूरी हो गई है।

एसआईटी की रिपोर्ट लगभग तैयार है। कभी भी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जा सकती है। प्रारंभिक रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशों में एफआईआर एवं सीईओ की नियुक्ति शामिल थी, जिस पर कार्रवाई जारी है। सूत्रों के मुताबिक विस्तृत जांच में चंपत राय को पूरी तरह क्लीन चिट नहीं दी गई है। उन्हें लापरवाही का दोषी बनाया गया है क्योंकि मंदिर प्रबंधन का पूरा काम वही देख रहे थे। आपराधिक साजिश को लेकर विशेष टिप्पणी नहीं की है। इसकी वजह यह है कि पुलिस की विवेचना जारी है। सूत्रों ने बताया कि दो पहलुओं को एसआईटी ने सबसे अहम माना। इसमें पहला बिंदु भर्ती प्रक्रिया रही, क्योंकि जो गणनाकर्मी जेल गए, वे आउटसोर्स किए गए हाउसकीपिंग वाले थे। उनसे गिनती करवाई जा रही थी। सभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों की सिफारिश पर भर्ती हुए थे। एसआईटी ने नियमों को ताक पर रखकर की गई भर्ती को चोरी की बड़ी वजह माना है।

New Delhi

क्या अंग्रेजी भारतीय भाषा मानी जा सकती है, विचार करें

CBSE त्रिभाषा नीति पर रोक से SC का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह सवाल उठाया कि क्या अंग्रेजी को एक भारतीय भाषा माना जा सकता है। सीबीएसई की तीन भाषा नीति के खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया था कि इस नीति के तहत अंग्रेजी को गैर-मूल भाषा माना गया है । यह प्रश्न उठाते हुए कोर्ट ने मौजूदा एकेडमिक सेशन से क्लास 6 के लिए CBSE की तीन भाषा वाली स्कीम को अनिवार्य करने के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि किसी भाषा को सीखना कभी व्यर्थ नहीं जाता। यह टिप्पणी करते हुए शीर्ष कोर्ट ने सीबीएसई द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू की गई तीन-भाषा नीति पर रोक लगाने से मना कर दिया। इस नीति के तहत कक्षा नौ के छात्रों के लिए तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य किया गया है, जिनमें से कम से कम दो भारत की मूल भाषा होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए टाल दी। इससे पहले, याचिकाकर्ता अमनदीप कौर एवं अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं में कहा गया कि सीबीएसई की नई नीति के अनुसार, छात्रों को कक्षा 9 से दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य रूप से पढ़नी होंगी। इसका मतलब यह होगा कि उन्हें वे भाषाएं छोड़नी होंगी जो वे कक्षा पांच से लगातार पढ़ रहे हैं।

याचिकाकर्ताओं ने मूल भाषाओं के लिए शिक्षकों और पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल एक नई याचिका पर नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई के लिए आगामी बुधवार

Maharashtra

2 ट्रकों और ईको कार में जोरदार भिड़ंत, 4 लोगों की दर्दनाक मौत, मौके पर मची हाहाकार

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक बेहद दर्दनाक और बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। नासिक-पेठ मार्ग पर दो ट्रकों और एक मारुति ईको कार के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौके पर और इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में कार में सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है जिसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक यह भीषण हादसा नासिक-पेठ मार्ग पर पेठ-डिंडोरी सीमा के पास सावला घाट पर हुआ। इस हादसे में दो ट्रक और गुजरात के पंजीकरण वाली एक मारुति ईको कार की टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि यह कार नासिक-पेठ मार्ग पर सप्तश्रृंगी गढ़ से सिलवासा की ओर जा रही थी। इसी दौरान शाम करीब साढ़े चार बजे पीछे से आ रहे एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने के बाद एक घायल की मौत हो गई, वहीं कार में सवार एक अन्य व्यक्ति की हालत

New Delhi

'पति की सैलरी का 25% गुजारा भत्ता देना अनिवार्य नहीं', इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी में कहा है कि तलाकशुदा पति की सैलरी का 25 प्रतिशत हिस्सा पत्नी को गुजारा भत्ते के तौर पर देना अनिवार्य नियम नहीं है. जस्टिस अचल सचदेव ने कहा कि यह सिर्फ एक सामान्य दिशा-निर्देश है और अदालतों के पास मामले के तथ्यों के आधार पर इससे कम या ज्यादा भत्ता तय करने का अधिकार है.

कोर्ट ने कानपुर देहात के एक दंपति के मामले में सुनवाई करते हुए पत्नी को मिलने वाला मासिक भत्ता 12 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दिया है.

यह मामला पिंकी उर्फ प्रीति और उनके पति श्री जय प्रकाश के बीच का है. पति ने पत्नी के खिलाफ तलाक की याचिका दाखिल की थी, जो उसके पक्ष में मंजूर हो गई थी. इसी को आधार बनाकर पति ने फैमिली कोर्ट के भत्ते के आदेश को चुनौती दी थी, जबकि पत्नी ने भत्ता कम होने की शिकायत करते हुए इसे बढ़ाने की मांग की थी. दोनों याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने साथ सुनवाई की.

कोर्ट ने साफ कहा कि सिर्फ तलाक हो जाने से पत्नी का गुजारा भत्ता पाने का हक खत्म नहीं हो जाता, बशर्ते वह खुद अपना खर्च चलाने में सक्षम न हो और उसने दोबारा शादी न की हो या किसी और के साथ न रह रही हो. कोर्ट ने कहा कि गुजारा भत्ते का मकसद पत्नी को सिर्फ जिंदा रहने लायक पैसा देना नहीं, बल्कि उसे सम्मान के साथ जीवन जीने का मौका देना है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि रिवीजन कोर्ट आमतौर पर पहले से तय भत्ते की रकम में बदलाव नहीं कर सकती, क्योंकि उसका काम निचली अदालत के फैसले की निगरानी करना है, न कि उस पर अपील सुनना.

खेल

11 साल बाद इंग्लैंड की एजबेस्टन में हार, भारत ने सीरीज में बनाई बढ़त, अक्षर का ऑलराउंड प्रदर्शन

बर्मिंघम, (एजेंसी) कप्तान शुभमन गिल की शानदार कप्तानी पारी और अक्षर पटेल के दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। एजबेस्टन में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। जवाब में भारत ने 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। खास बात यह रही कि एजबेस्टन में 2015 के बाद इंग्लैंड की यह पहली वनडे हार है। पिछली बार 2014 में भी उसे भारत ने ही इस मैदान पर हराया था।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने बेन डकेट और फिल सॉल्ट की मदद से तेज शुरुआत की। 13वें ओवर की शुरुआत तक टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी और बड़ा स्कोर बनता नजर आ रहा था।लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मैच की तस्वीर ही बदल दी। जसप्रीत बुमराह ने दबाव बनाया तो गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार विकेट निकालकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। देखते ही देखते मेजबान टीम 107 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हैरी ब्रूक, जोस बटलर और जैकब बेथेल जैसे बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।

107 रन पर छह विकेट गिरने के बाद अनुभवी जो रूट ने एक छोर संभाले रखा। उनका साथ दिया लंबे समय बाद वनडे टीम में लौटे लियाम डॉसन ने। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 121 रन जोड़कर भारत की पकड़ थोड़ी ढीली की। रूट ने 76 रन की जिम्मेदार पारी खेली, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं डॉसन ने 83 गेंदों में 68 रन बनाकर अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। दोनों की साझेदारी के दम पर इंग्लैंड 258 रन तक पहुंचने में सफल रहा।

भारत की ओर से अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे। शुरुआती ओवरों में विकेट नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने आखिरी बल्लेबाजों को तेजी से समेटते हुए 10 ओवर में 62 रन देकर चार विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह ने आंकड़ों से कहीं बेहतर गेंदबाजी की। उन्होंने नौ ओवर में सिर्फ 31 रन देकर एक विकेट लिया और पूरे स्पेल में इंग्लैंड के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

259 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा 11 और विराट कोहली सिर्फ पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 48 रन पर दो बड़े विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड मैच में हावी नजर आ रहा था। ऐसे समय कप्तान शुभमन गिल ने एक बार फिर जिम्मेदारी उठाई। उन्होंने शुरुआत में धैर्य दिखाया और फिर मौका मिलते ही अपने पसंदीदा ड्राइव और पुल शॉट्स से रन बटोरे।

सिनेमा

'बहनों की शादी हिंदुओं से हुई, गौरी हिंदू नहीं ईसाई हैं' आमिर खान की तीसरी शादी पर हंगामा, ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने 61 साल की उम्र में गौरी स्प्रैट संग घर बसाया. ये आमिर की तीसरी शादी है, आमिर की तीसरी शादी को लेकर चारों ओर बवाल मचा हुआ है. बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठनों ने उनपर लव जिहाद का आरोप लगाया. उन्हें 'लव जिहाद' का 'ब्रांड एंबेसडर' बताया जा रहा है. उनके खिलाफ फतवा भी जारी हुआ है. अब आमिर ने उनकी तीसरी शादी को लेकर उन्हें ट्रोल करने वालों को जवाब दिया है. आइए जानते हैं कि आमिर ने अपनी वेडिंग को लेकर क्या कहा. शादी को लेकर ट्रोलिंग झेल रहे आमिर ने डेक्कन क्रॉनिकल संग बातचीत में कहा कि सच्चाई ये है कि हमारा परिवार बहुत मिलनसार और सबको साथ लेकर चलने वाला है. मेरी दोनों बहनों की शादी हिंदुओं से हुई है. मेरी बेटी की शादी भी एक हिंदू से हुई है. मेरे चचेरे भाई मंसूर ने एक ईसाई महिला से शादी की है. गौरी, रीना और किरण ने मुझसे शादी करते समय अपना धर्म नहीं बदला, क्योंकि हमारी शादी सिविल मैरिज थी. गौरी हिंदू नहीं हैं, वो ईसाई हैं. आमिर खान ने आगे कहा कि गौरी ऐसी ईसाई हैं, जो सख्ती से धर्म का पालन नहीं करती हैं. जैसे-जैसे समय बीत रहा है, जिंदगी और भी मजेदार होती जा रही है.

Highlights

1. Sex education to become part of school curriculum: Govt to Supreme Court
2. Delhi electricity bills to rise as regulator allows fuel surcharge
3. Illegal parking under Hebbal flyover worsens traffic chaos
4. NCP leader challenges Maha Dy CM Sunetra's election as party chief, seeks fresh polls
5. India will ensure safety of seafarers: Jaishankar as he launches India's UNSC campaign
6. Boiler explodes at Tamil Nadu smelting factory, 1 killed & 8 injured
7. NCC cadets showcase drones, aircraft models at NIT Hamirpur
8. 'Can't India use our uranium for nuclear arms,' asks reporter; Australian Minister replies

iPhone 18 Pro expected market launch date: Apple to launch its first foldable phone this year?

NEW DEIHI, (Agency). Apple is reportedly set to unveil its first foldable iPhone this year, while a redesigned 20th anniversary iPhone and camera-equipped AI AirPods are currently said to be targeted for a late 2027 launch.

Apple is working on a major lineup of new products over the next two years, including its first foldable iPhone, a redesigned iPhone to mark the product's 20th anniversary and camera-equipped AirPods focused on artificial intelligence (AI), according to a Bloomberg report. The company is also developing a new generation of chips to power these devices.

The report said Apple is planning what could be its biggest wave of product launches yet. The devices are expected to arrive during the first full year of Chief Executive Officer John Ternus, who takes over the role on September 1.

Some reports claim that this year's iPhone is could be an unusually pricey affair for the buyers with Apple mulling to increase prices owing to increasing memory and storage chip costs.

iPhone 18 Pro launch date

Apple is expected to unveil its first foldable iPhone in September 2026, the month the company usually launches its flagship phone for the year. Considering the launch date of the previous years, the iPhone 18 release could happen in the first half of September.

Apple's 2025 iPhone 17 lineup and 2024 iPhone 16 lineup were unveiled on September 9 those years. In 2023, Apple launched iPhone 15 lineup on September 12.

Meanwhile, the iPhone model to mark 20 years of Apple is expected to feature a nearly edge-to-edge display with curved glass wrapping around the sides.

The anniversary models, code-named V73 and V74, are expected to succeed this year's iPhone 18 Pro and iPhone 18 Pro Max while retaining similar screen sizes. Both the anniversary iPhones and the second-generation foldable model are expected to run on Apple's 2-nanometer A21 chip, internally dubbed Naxos.

Apple is also expected to continue updating its Pro iPhone lineup every autumn. However, the standard iPhone 18 is reportedly being pushed to 2027, creating a gap of more than a year and a half between updates.

Foldable iPhone plans

Apple's entry into the foldable smartphone market is expected to begin with the first-generation foldable iPhone in September 2026. The company is then planning to follow it up with a second-generation version, code-named V78, in late 2027, signalling that foldable devices could become an annually updated product category, Bloomberg reported in June.

The first foldable iPhone, along with the iPhone 18 Pro and iPhone 18 Pro Max, is expected to use Apple's A20 Pro processor, code-named Borneo.

होटल में दूसरी मंजिल से गिरकर प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतू साहू की हुई मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के अरबिंदो अस्पताल के पास स्थित श्याम पैलेस होटल में दूसरी मंजिल से गिरकर प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतू साहू की हुई मौत का सीसीटीवी वीडियो मंगलवार को सामने आया है। रविवार अलसुबह हुई इस घटना में जीतू होटल की दूसरी मंजिल से गिरता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने फुटेज जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

जांच में सामने आया है कि हादसे से करीब 30 मिनट पहले जीतू से मिलने उसके तीन दोस्त होटल पहुंचे थे। तीनों रात करीब साढ़े तीन बजे होटल से चले गए थे। वहीं, एक महिला मित्र होटल के दूसरे कमरे में ठहरी हुई थी। पुलिस दोनों पहलुओं को जांच का हिस्सा बनाकर पूछताछ कर रही है।

बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 4 बजे जीतू साहू होटल की दूसरी मंजिल से गिर गया था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और होटल के सीसीटीवी फुटेज जब्त किए। एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार जीतू पिछले करीब 22 दिनों से होटल में कमरा लेकर रह रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि वह शादीशुदा था। पुलिस यह पता लगा रही है कि वह इतने दिनों से होटल में क्यों रह रहा था और इसके पीछे क्या वजह थी। रुपए के लेन-देन समेत अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने परिजनों को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया। महिला मित्र से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट की जाएंगी।

पत्नी को तड़पाकर मारा, नए कपड़े पहने, तिलक लगाया

ऑनलाइन मंगाया था 7 लेयर कट चाकू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर की पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी (38) हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। पति ने पत्नी को बेरहमी से तड़पाकर मारा था। इतना ही नहीं, हत्या के बाद वो नहाया था, तिलक लगाया, साफ कपडे पहने। इसके बाद वो बच्चों के स्कूल पहुंचा, स्कूल में बच्चों से मुलाकात कर बेटी को मां का नेकलेस, घर की चाबी, एटीएम कार्ड दिया। इसके बाद उसने बच्चों से कहा कि छुट्टी के बाद वे मौसी के घर चले जाएं। यह कहकर वो फरार हो गया।

दरअसल, इंदौर की पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के मामले में पुलिस जांच में रोजाना कोई न कोई चौंकाने वाला खुलासा सामने आ रहा है। बता दें कि मृतक उर्मिला की बेटी प्रेक्षा के बयानों और पुलिस पड़ताल में आरोपी पिता अखिलेश सैनी की जो दरिंदगी सामने आई है, वह रोंगटे खड़े करने वाली है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पति अखिलेश सैनी के चेहरे पर अपने किए की शिकन तक नहीं थी। उसने खून से सने कपड़े घर के पास ही एक चेंबर में फेंक दिए। नहाकर साफ कपड़े पहने। बालों में तेल और तिलक भी लगाया। इसके बाद वह अपने बच्चों प्रेक्षा और अव्यक्त के स्कूल गया था। स्कूल में उसने बेटी को मां का नेकलेस, घर की चाबी, एटीएम कार्ड दिया और फरार हो गया। बेटी प्रेक्षा के मुताबिक जब वह और उसका छोटा भाई स्कूल से घर पहुंचे तो घर का दरवाजा खुला हुआ था। टीवी की आवाज असामान्य रूप से तेज थी। आरोपी ने टीवी की वॉल्यूम 100 पर कर दी थी, ताकि जब वह उर्मिला पर हमला करे तो उनकी मदद की पुकार पड़ोसियों तक न पहुंच सके। अंदर पहले ही कमरे में उर्मिला रक्तरंजित हालत में मृत पड़ी थीं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अखिलेश सैनी ने पहले से ही हथियार जुटा रखे थे। घर से एक ऐसा मेडिकल नाइफ बॉक्स मिला है, जिसका इस्तेमाल बड़े ऑपरेशन या डिलीवरी के दौरान गहरे चीरे लगाने के लिए किया जाता है। परिवार का दावा है कि आरोपी ने 7 लेयर कट लगाने वाला विशेष मेडिकल चाकू ऑनलाइन मंगवाया था। कत्ल में इसी का इस्तेमाल किया। हालांकि पुलिस फिलहाल इस सामग्री की जांच कर रही है। रिश्तेदारों और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने उर्मिला के सिर पर पहला भारी वार किया, ताकि वे शारीरिक रूप से असहाय हो जाए। मौत हो जाने के बाद भी आरोपी नहीं रुका, शव का जबड़ा और चार दांत टूटे हुए थे। गर्दन कटी हुई थी। पूरे चेहरे को चाकुओं से गोद दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक